कृषि-सलाहकार सेवा

नवंबर 2025 के द्वितीय पखवाड़े की रणनीतियां

- जब फसल 80-85% तक पक जाएं तो हंसुआ या कंबाइन हार्वेस्टर या रीपर का उपयोग करके फसल काट लें। खपत के उद्देश्य से धान के दानों को 14% नमी मात्रा तक धूप में सुखाएं और बेहतर भंडारण के लिए बीज के उद्देश्य से इसे 12% नमी तक सुखाएं। उपज के बेहतर मूल्य के लिए प्रत्येक किस्म को बिना मिलाए अलग-अलग पैक करें।
- दक्षिण पश्चिम मानसून ओडिशा से पहले ही जा चुका है। कुछ इलाकों में जहां फसल अभी भी पकने की अवस्था में है, अगर जरूरत हो तो अतिरिक्त सिंचाई करें। पौधों की अजैविक तनाव से लड़ने की क्षमता को बेहतर बनाने के लिए पोटाश 5 ग्रा/लीटर पानी की दर से या पानी में घुलने वाले उर्वरक 13:0:45 के अनुपात में 5 ग्राम/लीटर पानी या 19:19:19 की अनुपात में 5 ग्राम/लीटर पानी में मिलाकर पत्तियों पर छिड़काव करें।
- धान/चावल के सुरक्षित भंडारण के लिए, 'सुपर ग्रेन बैग' का उपयोग करें, जो गुणवत्ता, बनावट, रंग, सुगंध और स्वाद को लंबे समय तक बनाए रखने में सहायक है और कीटों के संक्रमण को भी रोकता है। कटे हुए धान को बेमौसम वर्षा से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए उपयुक्त तरीके से ढकने हेतु बोरियों में भरें और ढेरों में भंडारित करें।
- भंडारित धान दानों में संक्रमण दिखाई देने के तुरंत बाद, एल्युमिनियम फॉस्फाइड टिकिया (आवासीय घरों में इसे उपयोग न करें) 3 टिकिया/टन धान की दर से (कुल 9 ग्राम टिकिया) उपयोग करते हुए अच्छी तरह से हवाबंद डिब्बों में या अनाज की थैलियों को मोटे तिरपाल सहित बिना कोई खाली स्थान छोड़े ढककर धूमन करें। टिकियों को ढेरों में रखने से पहले कपास के पाउच में लपेटा जाना चाहिए, जो धूमन पूरा करने के बाद अवशेषों को त्यागने में मदद करता है। गैस के रिसाव को रोकने के लिए प्लास्टिक कवर के सभी कोनों को मिट्टी या चिपकने वाली टेप की 6 इंच मोटी परत से प्लास्टर किया जाना चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए लगभग 7-10 दिनों की न्यूनतम एक्सपोजर अवधि बनाए रखें। लंबी अवधि वाली चावल की किस्मों या बहुत देर से बोई गई चावल की किस्मों में भूरा पौध माहू, सफेद पीठवाला पौध माहू, हरा पत्ता माहू, गंधी बग और खेत में रखी पकी/काटी गई फसल में बाली काटने वाली इल्ली के संक्रमण की संभावना हो सकती है।
- यदि भूरा पौध माहू कीटों की संख्या लागत-लाभ की सीमा (5-10 कीट/पूंजा) से अधिक है, तो वैकल्पिक गीला और सुखाने की विधि (पानी लंबे समय तक खेत में

खड़ा नहीं होना चाहिए) द्वारा धान की खेत की स्थिति को बदलने की सलाह दी जाती है। यदि समस्या फिर भी बनी रहती है, तो ट्राइफ्लुमेज़ोपाइरिम 10% एससी 94 मिली/एकड़ दर पर या पाइमेट्रोज़ीन 50% डब्ल्यूजी 120 ग्राम/एकड़ दर पर या डाइनोटफ्यूरन 20% एसजी 80 ग्राम/एकड़ दर पर या इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एसएल 50 मिली/एकड़ दर पर या फ्लोनिकानिड 50% डब्ल्यूजी 60 ग्राम/एकड़ दर पर छिड़काव करें। भूरा पौध माहू के लिए अनुशंसित कीटनाशकों का प्रयोग निर्धारित मात्रा में ही करें। भूरा पौध माहू के संक्रमण के असरदार नियंत्रण हेतु कीटनाशकों के छिड़काव करने की सलाह दी जाती है।

- यदि गंधी बग का प्रकोप देखा जाता हैः एथोफेनोप्रोक्स 10 ईसी/200 मिली/एकड दर पऱ 200 लीटर पानी के साथ पर्णीय छिड़काव करें या मालाथियान 5डी 10 किग्रा/एकड़ दर पर सुबह के समय, जब हवा नहीं होती है या न्यूनतम हवा होती है, पूरे खेत में समान रूप से एक झाड़ दें।
- यदि धान में हरा पत्ता माहू का संक्रमण देखा जाता है, तो अज़ाडिराक्टीन 5% डब्ल्यू/ डब्ल्यू 80 मिली/एकड़ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल दर पर 50 मिली/एकड़ या थियामेथोक्सम 25 डब्ल्यूजी 40 ग्राम/एकड़ दर पर या एसेफेट 75% एसपी 400 ग्राम/एकड़ दर पर या फिप्रोनील 0.3% जीआर 10 किग्रा/एकड़ उपयोग करें। उल्लिखित कीटनाशकों के छिड़काव के लिए 200 लीटर पानी का प्रयोग करें।
- यदि इल्लियों का प्रकोप देखा जाता हैः क्विनॉलफॉस 25 ईसी 400 मिली/एकड़ या क्लोरोपाइरीफॉस 20ईसी 500 मिली/एकड दर पऱ प्रयोग करें और इसे सुबह के समय पौधों के मूल पर छिड़काव करें। क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी 500 मिली/एकड़ की दर से खेत की मेड़ों पर प्रयोग से इयर लीफ कैटरपिलर मरने में मदद मिलती है और इससे एक खेत से दूसरे खेत में प्रवास को भी रोकता है। बेहतर परिणाम के लिए छिड़काव सूर्यास्त के बाद करना चाहिए।
- यदि गला/बाली प्रध्वंस देखा जाता है, बीमारी को नियंत्रित करने के लिए टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% (नैटिवो 75 डब्ल्यूजी) 80 ग्राम प्रति एकड़ की दर से या कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 400 ग्राम प्रति एकड़ की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करें। वैकल्पिक रूप से, बेल के पत्तों (25 ग्राम ताजी पत्तियां) का निचोड़ का छिड़काव या तुलसी (25 ग्राम ताजी पत्तियां) या नीम (200 ग्राम ताजी पत्तियां) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने पर रोग कम करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, *ट्राइकोडर्मा विरिडे* जैसे जैवनियंत्रक कारक (न्यूनतम 10^6) सीएफयू) 2 किलो प्रति एकड़ की दर से प्रयोग किया जा सकता है। एक एकड़ क्षेत्र के लिए 200 लीटर घोल का प्रयोग करें।

- फाल्स स्मट संक्रमण वाले क्षेत्र में, कॉपर हाइड्रॉक्साइड 77% (कोसाइड 101) 400 ग्राम/एकड़ दर पर या टेबुकोनाज़ोल 25% (फोलिकूर) 400 ग्राम/एकड़ दर पर बूट लीफ अवस्था में छिड़काव करें। फाल्स स्मट के प्रभावी नियंत्रण के लिए छिड़काव को 7-10 दिनों के अंतराल पर दोहराएं।
- जहां भी नमी की कमी के कारण चावल की खेती नहीं हो पाई है, वहां किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मध्यम/उथली निचलीभूमि खेत में उपलब्ध मिट्टी की नमी का उपयोग करते हुए मूंग, उड़द, लोबिया, मटर, मसूर, मूंगफली, तोरिया, आलू और सूरजमुखी जैसी छोटी अवधि की रबी फसलें उगाएं।

अनुमानित चक्रवात "मोंथा" के लिए चावल हेतु आकस्मिक कृषि सलाह

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, भुवनेश्वर के अनुसार, आंध्र प्रदेश के ऊपर एक चक्रवात बनने की प्रबल संभावना है, जिसे "**मोंथा**" नाम दिया गया है। लेकिन यह चक्रवात आंध्र प्रदेश के तट से होकर गुजरेगा, लेकिन ओडिशा के दक्षिणी और तटीय क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ सकता है तथा मालकानगिरी, कोरापुट, नबरंगपुर, रायगढ़, गजपति, गंजम, कंधमाल और कालाहांडी जैसे कुछ जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा और तेज हवाएँ चलने का अनुमान है।

- ➢ काटे गए चावल को सुरक्षित स्थान पर उचित रूप से बाँधकर तिरपाल से ढक देना चाहिए ताकि संभावित वर्षा से होने वाले नुकसान से बचा जा सके।
- ➢ खड़ी धान की फसल से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए जल निकासी नालियों को खुला रखें ताकि फसल के गिरने से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।
- ➢ जिन क्षेत्रों में बादल छाए रहते हैं, उच्च आर्द्रता होती है, दिन का तापमान अधिक और रात का तापमान कम होता है, वहाँ जीवाणुज अंगमारी, जीवाणुज पत्ता अंगमारी, पत्ता प्रध्वंस जैसी कई बीमारियों का प्रकोप अधिक होता है। इसलिए, अपने खेत पर नजर रखें। जीवाणु जनित रोगों के लिए 1 ग्राम प्लांटोमाइसिन + 20 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड को 10 लीटर पानी में मिलाकर इस्तेमाल करें। यदि चावल के खेत में पत्ता प्रध्वंस दिखाई दे, तो टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी 4 ग्राम/10 लीटर पानी की दर से या आइसोप्रोथिओलेन 40 ईसी 15 मिली प्रति 10 लीटर की दर से पानी का छिड़काव करें। 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएँ।
- ➢ वर्षा बंद होने के बाद, ताजे कुटे हुए चावल को 1-2 दिनों तक धूप में सुखाएं ताकि नमी की मात्रा 14% तक कम हो जाए और कटे हुए धान को 'सुपर ग्रेन बैग' में संग्रहित करें जो लंबे समय तक वस्तुओं की गुणवत्ता, बनावट, रंग, सुगंध और स्वाद को बनाए रखने में सहायक है।

- भंडारित चावल में कीट लगने की स्थिति में, एल्युमिनियम फॉस्फाइड की गोलियाँ (घरों में इस्तेमाल न करें) 3 गोलियाँ प्रति टन (कुल 9 ग्राम गोलियाँ) की दर से वायुरोधी कंटेनरों में रखकर या अनाज के थैलों को मोटे तिरपाल से ढककर, बिना किसी अंतराल के धूमन करें। गोलियों को ढेर में रखने से पहले उन्हें सूती थैलियों में लपेटना चाहिए, जिससे धूमन पूरा होने के बाद बचे हुए अवशेषों को हटाने में मदद मिलती है। गैस के रिसाव को रोकने के लिए प्लास्टिक कवर के सभी कोनों पर 6 इंच मोटी मिट्टी या चिपकने वाले टेप की परत चिपका देनी चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए कम से कम 7-10 दिनों तक धूमन अवधि बनाए रखें।
- चक्रवात के थमने के बाद, देर से बोए गए धान में झुंड में इल्ली और भूरा पौध माहू का प्रकोप हो सकता है। भूरा पौध माहू के प्रबंधन के लिए, पाइमेट्रोज़ीन 50 डब्ल्यूजी 0.6 ग्राम/लीटर की दर से पानी या ट्राइफ्लुमेज़ोपाइरिम 10एससी 0.5 मिली/लीटर की दर से पानी या फ्लुनिसियामाइड 50 डब्ल्यूजी 3 ग्राम/10 लीटर की दर से पानी का प्रयोग करें। झुंड में इल्ली के प्रबंधन के लिए, क्लोरपाइरीफॉस 1.5% डी 30 किग्रा/हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- जिन खेतों में फसलें खड़ी हैं और कटाई के लिए तैयार नहीं हैं, वहाँ से अतिरिक्त पानी तुरंत निकाला जा सकता है।
- भारी वर्षा के कारण रोग और कीटों का प्रकोप बढ़ सकता है। रोगों और कीटों के प्रकोप की जानकारी के लिए नियमित रूप से खेत का दौरा करें। आवश्यकतानुसार कीट प्रबंधन के उपाय तुरंत करें। यदि किसानों को चावल की फसल प्रबंधन के बारे में कोई प्रश्न हैं, तो वे सीआरआरआई, कटक से संपर्क कर सकते हैं।

- चावल की लंबी अवधि की किस्मों में या बिलंवित रोपे गए धान की फसल पक जाने पर, खेत में रखी परिपक्व/कटाई हुई फसल में भूरा पौध माहू, सफेदपीठवाला पौध माहू, हरा पत्ता माहू, गंधी बग या इल्लियों के संक्रमण की संभावना हो सकती है।

- रात के कम तापमान और उच्च आर्द्रता के कारण देर से पकने वाली चावल की किस्मों में आभासी कंड और गला/बाली प्रध्वंस का प्रकोप अधिक होने की संभावना रहती है। प्रभावी प्रबंधन के लिए निम्नलिखित कवकनाशकों का प्रयोग किया जा सकता है।